दल प्रणाली के रूप

प्रदोष कुमार

दल प्रणाली के मुख्य तीन रूप प्रचलित हैं

1. **एकदलीय प्रणाली ,2.दो दलीय प्रणाली और 3.बहुदलीय प्रणाली**
1. **एकदलीय प्रणाली:-** जिस देश में केवल एक ही दल हो और शासन शक्ति का प्रयोग करने वाले सभी सदस्य इस एक ही राजनीतिक दल के हो तो वहां की दल प्रणाली को एक दलीय कहा जाता है। कुछ व्यक्तियों के द्वारा यह समझा जाता है कि वर्तमान समय में एक दलीय प्रणाली केवल साम्यवादी राज्यों में ही है लेकिन वस्तुतः साम्यवादी राज्यों के अतिरिक्त अन्य राज्यों में भी इसका प्रचलन है।

   एक दलीय प्रणाली को कभी तो संविधान से ही मान्यता प्राप्त होती है जैसे की साम्यवादी राज्यों के संविधान में साम्यवाद दल का उल्लेख करते हुए अन्य दलों के संगठन का निषेध कर दिया गया है। अनेक बार ऐसा होता है कि संविधान के द्वारा तो अन्य राजनीतिक दलों का निषेध नहीं किया जाता लेकिन शासक दल संविधाननेत्तर उपायों से राजनीतिक दलों का दमन कर शासन शक्ति पर एकाधिकार स्थापित कर लेता है। इसके अतिरिक्त यदि किसी राज्य में 1 से अधिक राजनीतिक दल हो लेकिन राजनीतिक प्रभाव की दृष्टि से अन्य राजनीतिक दलों की स्थिति नगण्य हो अर्थात वैसी ही हो जैसी स्थिति दलीय प्रणाली वाले राज्यों में दो के अतिरिक्त अन्य राजनीतिक दलों की होती है तो इसे भी व्यवहार में एक दलीय प्रणाली वाला राज्य ही कहा जाएगा।

एक दलीय प्रणाली को सामान्यतया सर्वाधिकारवादी और जनहित विरोधी समझा जाता है किंतु हमेशा ही ऐसा होना आवश्यक नहीं है और उद्देश्य की दृष्टि से भी

Scanned with CamScanner

एक दलीय प्रणाली के विभिन्न रूप हो सकते हैं। हिटलर और मुसोलिनी की एकदलिया प्रणाली प्रणाली का उद्देश्य सत्ता हस्तगत करना और उस पर अपना अधिकार बनाए रखना ही था। तुर्की में मुस्तफा कमाल पाशा की एक दलीय पद्धति निश्चय ही जन हितैषी थी। मेक्सिको , मेडागास्कर आदि राज्यों की एक दलीय व्यवस्था को इसी श्रेणी में रखा जा सकता है। साम्यवादी राज्यों की एक दलीय प्रणाली को यदि सामान्यहित पर आधारित है। तो बहुत कुछ सीमा तक इस श्रेणी में रखा जा सकता है।

2. **दो दलीय प्रणाली** :-जब एक देश की राजनीति में केवल दो ही प्रमुख राजनीतिक दल होते हैं तो उसे भी दलीय प्रणाली कहते हैं। द्विदलीय प्रणाली वाले राज्यों में 2 से अधिक राजनीतिक दलों के गठन पर कोई वैधानिक प्रतिबंध नहीं होता दो से अधिक राजनीतिक दल हो सकते हैं। लेकिन वे इतने छोटे हैं कि राजनीति पर उनका कोई विशेष प्रभाव नहीं होता है और उन्हें शासन में भागीदारी प्राप्त नहीं होती है उदाहरण स्वरूप इंग्लैंड में अनुदार दल और श्रमिक दल दो प्रमुख दल हैं इनके अतिरिक्त उदार दल और स्कॉटलैंड वेल्स के राष्ट्रवादी दल भी हैं। लेकिन उनका राजनीति पर कोई विशेष रूप से प्रभाव नहीं है। इसी प्रकार अमेरिका में दलीय प्रणाली है और वहां के दो प्रमुख राजनीतिक दल डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दल है। संसदात्मक व्यवस्था में द्विदल प्रणाली के अंतर्गत सामान्य एक ही राजनीतिक दल के मंत्री मंडल का निर्माण किया जाता है और दूसरा राजनीतिक दल विरोधी दल के रूप में कार्य करते हैं।

3 बहुदलीय प्रणाली :-यदि किसी देश की राजनीति में काफी बड़ी संख्या में राजनीतिक दल हो तो उसे बहुदलीय प्रणाली कहां जाता है। महाद्वीपीय यूरोप के अधिकांश देशों में विशेषता फ्रांस में बहुदलीय प्रणाली है ।भारत में भी बहुदलीय व्यवस्था की गई है। बहुदलीय प्रणाली वाले देश में जब देश में जब

Scanned with CamScanner

संसदात्मक व्यवस्था को अपनाया जाता तो कोई भी राजनीतिक दल मंत्रिमंडल का निर्माण करने की स्थिति में नहीं होता है और मिली जुली मंत्रिमंडल का निर्माण किया जाता है। भारत में बहुदलीय व्यवस्था के अंतर्गत अब तक राजनीतिक दल को प्रधानता की स्थिति प्राप्त थी और इसी कारण बहुदलीय व्यवस्था होते हुए भी एक ही दल की सरकार का निर्माण संभव हो सका।

Scanned with CamScanner